

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

Term-End Examination

December, 2016

00512

**MMDE-030 : METHODOLOGY OF TEACHING
LANGUAGE AND OTHER SUBJECTS TO THE
HEARING IMPAIRED**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : All sections are compulsory. Marks are allotted against each section.

SECTION - I

Answer **all** of the following questions :

1. Define System Approach. 2
2. Explain the role of workbooks at primary level. 2
3. State **True** or **False** : 6
 - (a) The 'Rhode Island Curriculum' is a structured approach for developing language.
 - (b) 'School Readiness skills' include development of listening attitude.
 - (c) Fine motor skills are important for language development.
 - (d) Audio-visual and computer assisted programmes are not useful for the deaf students.
 - (e) LPT is used to ascertain language age of an individual.
 - (f) Listening is a way of learning verbal language.

SECTION - II

Answer **any four** of the following questions : **5x4=20**

4. State the importance of early intervention.
5. Professional growth is a duty of a teacher for the deaf. Explain.
6. Explain why imitative ability is the most commonly evaluated language behaviour.
7. State the requirement of conversation.
8. What should be included in the curriculum for the children with hearing impairment language development ?
9. Explain the importance of functional reading at nursery level.

SECTION - III

Answer the following questions : **10x2=20**

10. Discuss the planning to be made for the children who have not achieved the level to enter primary programme.

OR

Discuss the different types of tests available with example.

11. Prepare a lesson for receptive reading at vocabulary stage for children with hearing impairment of at primary level.

OR

Plan a science lesson with story telling technique.

बी.एड. विशेष शिक्षा (बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.एम.डी.ई.-030 : श्रवण बाधितों हेतु भाषा एवं अन्य विषयों
की शिक्षण पद्धति

समय : 2 घंटे

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी भाग अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग के सामने अंक दर्शाये गए हैं।

भाग - I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. तंत्र उपागम की परिभाषा दीजिए। 2
2. प्राथमिक स्तर पर कार्य-पुस्तिकाओं की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 2
3. सत्य अथवा असत्य कथन : 6
 - (a) "रोडे आयलैंड पाठ्यक्रम" भाषा विकास हेतु एक संरचनात्मक उपागम है।
 - (b) विद्यालय तैयारी हेतु कौशलों में श्रवण अभिवृत्ति का विकास सम्मिलित है।
 - (c) सूक्ष्म चलन कौशल भाषा विकास हेतु महत्वपूर्ण हैं।
 - (d) दृश्य-श्रवण एवं कम्प्यूटर सहायक कार्यक्रम बधिर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी नहीं हैं।
 - (e) एल.पी.टी. का प्रयोग किसी व्यक्ति की भाषा आयु सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।
 - (f) सुनना बोलने की भाषा सीखने का एक तरीका है।

भाग - II

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।

5×4=20

4. शीघ्र हस्तक्षेप का महत्त्व बताएँ।
5. बधिरोँ के शिक्षक की व्यवसायिक वृद्धि उनका अपना कर्तव्य है। व्याख्या करें।
6. व्याख्या करें कि अनुकरण करने की योग्यता किस प्रकार से भाषा व्यवहार के मूल्यांकन हेतु सबसे अधिक प्रयोग की जाती है।
7. वार्तालाप की आवश्यकताएँ बताइए।
8. श्रवण-बाधित बच्चों के भाषा विकास हेतु पाठ्यक्रम में क्या-क्या सम्मिलित किया जाना चाहिए ?
9. नर्सरी स्तर पर क्रियात्मक पठन के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

भाग - III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

10×2=20

10. जिन बच्चों ने प्राथमिक कार्यक्रम में प्रवेश करने का स्तर नहीं प्राप्त किया हो उनके लिए योजना तैयार करने पर चर्चा करें।

अथवा

उदाहरण सहित विभिन्न प्रकार के उपलब्ध परीक्षणों पर चर्चा करें।

11. प्राथमिक स्तर पर श्रवण-बाधित बच्चों के लिए शब्दावली स्तर पर ग्रहणशील पठन की पाठ योजना तैयार करें।

अथवा

कहानी सुनाने की तकनीक का उपयोग करते हुए विज्ञान के एक पाठ की योजना बनाएँ।